श्री. शांतिलालजी मुथ्था
संस्थापक, BJS

BJS e बुलेटीन 2020

Edition 5, 9th April 2020

JAINS FOR INDIA
BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

संपादक की कलम से

प्रिय स्नेहीजन,

'समस्या को अवसर के रूप में देखें'. श्री संजय जैन, कोलकता ने ऐसे उमदा विचार BJS Family Summit में live face book page पर दिनांक 5 अप्रेल, 2020 को कोविड-19 व उसके पश्चात के संदर्भों में प्रस्तुत किये. उनके विचारों, सलाह व उदगारों को लिपिबद्ध कर आप पाठकों के लिए इस e-बुलेटिन में प्रकाशित कर रहे हैं.

हमारे जीवन का प्रत्येक क्षण, हमारे लिए एक अवसर समान ही तो है. मिलने वाले या सुलभ अवसरों का लाभ हम कितना उठा पाते हैं, यह हमारी सकारात्मकता पर निर्भर करता है. आशा अजर अमर है यह विचारते हुए जो निराशा का दामन विपरित परिस्थितियों में नहीं थामते, हर स्थिति में प्रसन्न रहते हैं. ऐसे व्यक्ति ही नई राह स्वयं बनाते हैं और सफलता की सीढ़ियों पर चढते जाते हैं.

Covid-19 के समाप्त होते होते वैश्विक अर्थव्यवस्था दम तोड़ देगी इस भय से प्रत्येक भयभीत है किन्तु मानव नए रास्ते खोजने में सक्षम है. यह विश्वास संजोए रखना है कि मानव जीवन की हर विधा को वह बेहतर कर इस विपदा को सदा के लिए विस्मृत ही नहीं करेगा अपितु यह भी सुनिश्चित करेगा कि ऐसी दुर्घटना की पुर्नरावृत्ति न हो.

जहाँ तक देश की अर्थव्यवस्था का प्रश्न है, एक बहुत बड़े परिवर्तन और नवीन समीकरणों का संकेत स्पष्ट दिखाई देता है जो नई ऊर्जा का संचार करती प्रातः की सुनहरी किरण के समान होगा.

निरंजन जुंवा जैन
सदस्य - BJS राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

April
5

BJS FAMILY SUMMIT Live Face book Series-**DAY 5**

Problem Is Opportunity- Encash It

श्री संजय जैन, कोलकता प्रसिद्ध उद्योगपति हैं. टेक्सटाईल TT ग्रुप के डायरेक्टर हैं. आप कुशाग्र व्यवसायी, मोटिवेशनल स्पीकर हैं. आप प्रसिद्ध पुस्तक 'A pinch of Salt in the recipe called life'. के लेखक हैं. आप BJS की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य हैं.

बतौर आशावादी व्यक्ति श्री संजय जैन कोविड-19 को एक अवसर के रूप में देखते हैं जिससे सीखने को बहुत कुछ है. अधिकांश व्यवसायी इस बात से चिन्तित हैं कि लॉक डाउन के पश्चात क्या होगा? किन्तु अनेक ऐसे भी हैं जो सीख रहे हैं कि लॉक डाउन खुलने के पश्चात उन्हें क्या करना है और आगे कैसे बढ़ना है और योजनाएं बनाने में व्यस्त हैं.

कोविड-19 वैश्विक समस्या है जो कभी न कभी समाप्त हो ही जाएगी. यह समस्या अनेक नई समस्याओं को भी जन्म देगी किन्तु ऐसी कोई समस्या होती ही नहीं कि जिसका उपाय या समाधान न हो. समस्या वास्तिवकता से अधिक हमारी वैचारिकी या मानसिकता में होती है. ठंडे दिमाग से सोचने पर समस्या और उससे छुटकारा पाने के रास्ते आसानी से मिल जाते हैं. एसा कोई भी व्यक्ति विश्व में नहीं जिसने कभी किसी समस्या का सामना न किया हो.

गिलास जो आधा खाली है, उसे आधा भरा हुआ है कि दृष्टि से देखा जाना चाहिए. हमें हमारे जीवन के प्रति भी यही दृष्टिकोण रखना चाहिए. दो व्यापारी जिसमें से प्रथम का व्यवसाय बिना किसी समस्या के पिछले 10 वर्षों से अच्छा चल रहा है और दूसरा वह कि जिसने पिछले 10 वर्षों में अनेक समस्याओं का सामना किया है, कोविड-19 की समस्या से दोनों ही का व्यवसाय फ़िलहाल बंद है. लेकिन आज दोनों में से दूसरा मानसिक रूप से ज्यादा comfortable है. समस्याएं हमें मज़बूत बनाती है और साथ ही में बहुत कुछ सिखाती हैं. इसलिए कहा गया हैं कि आपके बच्चों को

Contd...

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
FAMILY SUMMIT

on Facebook LIVE every day
LIVE @ 4:00 - 5:00pm
1st April to 15th April 2020

April
Thursday 9

आज दिनांक 9 अप्रेल, 2020 4 से 5 सांय
श्री संजय जैन, कोलकता
विषय : PROBLEM IS OPPORTUNITY- ENCASH IT
Fb Link : bit.ly/BJSPune

Scan to Join

rough and tough बनाएं. दूसरे विश्व युद्ध में जापान पूरी तरह से तहस नहस हुआ था और किस तरह वह विश्व का सर्वाधिक विकसित देश बना इसकी जानकारी हम सभी को है. जिन विकसित देशों में कभी कोई हानि या खुमारी नहीं हुई आज वे सब जापान से पीछे हैं. जापान के लिए यह तब ही संभव हुआ जब उन्होंने इस खुमारी को एक अवसर के रूप में देखा.

श्री संजय ने कहा कि कोविड-19 का टीका (vaccin) कब तक बनेगा, पता नहीं? Vaccin के द्वारा शरीर में सीमित मात्रा में बीमारी के बैक्टीरिया डाले जाते हैं और शरीर में उस बीमारी के खिलाफ रोग प्रतिकारक शक्ति को जगाया जाता है. ऐसे ही समस्याएं जीवन में उस vaccin के समान है जो विपरित स्थिति में मनुष्य को लड़ने और मुस्कुराते रहने की शक्ति देती है.

Covid-19 पिछली एक शताब्दी की सर्वाधिक भीषण समस्या के रूप में हमारे समक्ष है. वैश्विक स्तर पर अधिकांश व्यवसाय या उत्पादन बंद है किन्तु जिन्होनें इसे समस्या के रूप में नहीं अपितु अवसर के रूप में देखा और स्वयं के व्यवसाय में त्वरित परिवर्तन किया वे अच्छा मुनाफा भी कमा रहे हैं. आज मास्क और सेनिटाइजर की वैश्विक मांग है. जिन्होंने इसे भाप लिया आज वे सफलता के साथ कार्यरत ही नहीं कर रहे अपितु उन्हें सरकार से भी पूरा सहयोग तथा उत्पादन की अनुमति मिली हुई है, जबकि दूसरों के लिए उनकी फैक्ट्री के दरवाजे बंद है.

Covid-19 के पश्चात हमारी क्या योजनाएँ या तैयारी होगी? उस पर आज कार्य करने की आवश्यकता है. शैक्षणिक संस्थाएं इसका श्रेष्ठ उदाहरण है. सभी अच्छे स्कूल या कोचिंग सेंटरों ने ऑनलाईन शिक्षण/प्रशिक्षण देना प्रारम्भ कर दिया है. बैंक के आग्रह के पश्चात भी हमने internet banking प्रारम्भ नहीं किया था और हर छोटी सी चीज के लिए प्रतिनिधि को प्रतिदिन बैंक भेजते रहते थे. लेकिन आज कोविड-19 के कारण अधिकांश व्यापारी internet banking को अपना रहे हैं और online working पर divert हो रहे हैं. वो दुकानदार जो दुकान से नीचे नहीं उतरा, आज सब्ज़ी की होम delivery कर रहा है और technology को अपना रहा है. कहते हैं, आवश्यकता अविष्कार की जननी है.

लॉक डाउन खुलने पर कैसे और क्या करेंगे, इसकी योजना बनाएं. Production cost कम करने, productivity बढ़ाने, कर्मचारियों के job description redifine करने और इसके लिए कर्मचारियों को online training देने आदि की योजना आज ही बनाएं और कर्मचारियों को better productivity हेतु मानसिक रूप से तैयार करें तांकि लॉक डाउन खुलने पर आप comfortable रह सकें. Planning अग्रिम रूप से होती है, युद्ध हेतु रवाना होते समय योजना नहीं बनाई जाती. स्वयं से पूछिये कि आप दूसरों से किस तरह भिन्न हैं और क्या नया कर सकते हैं? ज्यादा से ज्यादा जानने को उत्सुक रहें. प्रश्न पूछने में संकोच न करें. Better to be stupid once instead of studip for whole life. निराश न हो. स्मरण में रखे कि समस्याएं vaccin के समान है, जो रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ाती है. विकल्पों पर focus करें. एक ही समस्या के समाधान भी अलग अलग समय पर अलग होते हैं.

विपरित परिस्थितियां कुछ महीने या अधिक रहने की संभावना है. व्यवसाय को सामान्य होने में कितना समय लगेगा, यह अनिश्चित सा है. किन्तु क्या हम दायरे से बाहर (Out of Box) सोच सकते हैं? विपरित स्थितियों में भी क्या हम प्रोग्रेस कर सकते हैं, दूसरों से आगे निकल सकते हैं? निश्चित ही, किन्तु नया, innovative और different क्या हो सकता है, इस पर focus करना ज़रूरी है.

आज कर्मचारी भी चिंतित हैं. उन्हें नौकरी की अनिश्चितता, पगार कटौती, स्वास्थ्य आदि की चिंताएं हैं. स्वयं का मनोबल ऊपर रखें और कर्मचारियों का भी. स्मरण में रहे कि उनसे ही हमें बेहतर परिणाम लेकर विपरित परिस्थितियों में प्रगति करनी है.

To view full session : : **bit.ly/BJSPune**